CHAPTER -1

झटपट और नटखट - (रमेश उपाध्याय)

- यह कहानी झटपट और नटखट नाम के दो भाइयों की है। झटपट बड़ा है (कक्षा 5) और नटखट उससे दो साल छोटा है (कक्षा 3)। ജട്ടൂട്ട്, നട്ഖട്ട് എന്നീ രണ്ട് സഹോദരങ്ങളെ കുറിച്ചുള്ളതാണ് ഈ കഥ. ജട്ടൂട്ട് അഞ്ചാം ക്ലാസ്സിലും നട്ഖട്ട് അവനേക്കാൾ രണ്ട് വയസ്സ് കുറഞ്ഞ (മൂന്നാം ക്ലാസ്സിലും) കുട്ടിയാണ്.

- दोनों पैदल स्कूल जाते थे, जो उनके गाँव से दूर दूसरे गाँव में था। रास्ते में उन्हें पोखर, बरगद का पेड़, खेत, बाग, नाला और नदी मिलते थे। ഗ്രാമത്തിന് പുറത്തുള്ള സ്കൂളിലേക്ക് ഇരുവരും ദിവസവും നടന്നുപോകുമായിരുന്നു. വഴിയിലുള്ള കുളങ്ങളും ആൽമരവും വയലുകളും തോടും പുഴയുമെല്ലാം അവർക്ക് പരിചിതമായിരുന്നു.

- झटपट तेज़ चलता था और हमेशा अनुशासन में रहता था। इसके विपरीत, नटखट बहुत जिज्ञासु और चंचल था। वह रास्ते में रुककर मछलियाँ देखता, बरगद की जड़ों से झूलता और फल तोड़ता था। ജട്ടൂട്ട് എപ്പോഴും അച്ചടക്കത്തോടെ വേഗത്തിൽ നടക്കുമ്പോൾ, നട്ഖട്ട് വളരെ കൗതുകമുള്ളവനും കുസൃതിക്കാരനുമായിരുന്നു. അവൻ വഴിയിൽ നിന്ന് മീനുകളെ നോക്കാനും ആൽമരത്തിന്റെ വേരുകളിൽ തൂങ്ങിയാടാനും പഴങ്ങൾ പറിക്കാനും ഇഷ്ടപ്പെട്ടിരുന്നു.

- माँ ने झटपट को निर्देश दिया था कि वह छोटे भाई का ध्यान रखे। झटपट अक्सर नटखट की हरकतों से परेशान होकर माँ से शिकायत करता था। അനിയനെ നോക്കിക്കൊള്ളണമെന്ന് അമ്മ ജട്ടൂട്ടിന് നിർദ്ദേശം നൽകിയിരുന്നു. പലപ്പോഴും നട്ഖട്ടിന്റെ കുസൃതികൾ കാരണം ജട്ടൂട്ട് അമ്മയോട് പരാതി പറയാറുണ്ടായിരുന്നു.

- एक दिन स्कूल से लौटते समय नटखट नदी किनारे कागज़ की नावें चलाने लगा। अचानक उसका पैर फिसल गया और वह तेज़ बहाव वाली नदी में गिर पड़ा। ഒരു ദിവസം സ്കൂൾ കഴിഞ്ഞു വരുമ്പോൾ നട്ഖട്ട് പുഴയോരത്ത് കടലാസ് തോണികൾ ഒഴുക്കുകയായിരുന്നു. പെട്ടെന്ന് കാൽ വഴുതി അവൻ ശക്തമായ ഒഴുക്കുള്ള പുഴയിലേക്ക് വീണു.

- झटपट ने तुरंत नदी में कूदकर नटखट की जान बचाई। पहले तो झटपट को बहुत गुस्सा आया, लेकिन अपने भाई को डरा हुआ देखकर उसे प्यार आ गया। झटपट ने उसे तैरना और नाव बनाना सिखाने का वादा किया। ജട്ടൂട്ട് ഒട്ടും വൈകാതെ പുഴയിൽ ചാടി അനിയനെ രക്ഷിച്ചു. ആദ്യം ജട്ടൂട്ടിന് ദേഷ്യം വന്നുവെങ്കിലും പേടിച്ചുവിറച്ച അനിയനെ കണ്ടപ്പോൾ അവന് സ്നേഹം തോന്നി. അവനെ നീന്താനും തോണി ഉണ്ടാക്കാനും പഠിപ്പിക്കാമെന്ന് ജട്ടൂട്ട് സമ്മതിച്ചു.

- भीगे कपड़ों के कारण माँ से डाँट न पड़े, इसलिए नटखट ने दौड़ लगाने का सुझाव दिया ताकि हवा और धूप से कपड़े सूख जाएँ। घर पहुँचने तक दोनों के कपड़े सूख गए। നനഞ്ഞ വസ്ത്രം കണ്ട് അമ്മ വഴക്ക് പറയാതിരിക്കാൻ വസ്ത്രം ഉണങ്ങാനായി ഓടാമെന്ന് നട്ഖട്ട് നിർദ്ദേശിച്ചു. കാറ്റും വെയിലും കൊണ്ട് വീട്ടിലെത്തിയപ്പോഴേക്കും അവരുടെ വസ്ത്രം ഉണങ്ങിയിരുന്നു.

<u>संदेश / സന്ദേശം</u>

- हमें हमेशा अपने बड़ों की बात माननी चाहिए और अपने छोटे भाई-बहनों का ख्याल रखना चाहिए। मुसीबत के समय घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेना चाहिए। നമ്മൾ എപ്പോഴും മുതിർന്നവരുടെ വാക്ക് അനുസരിക്കുകയും ഇളയ സഹോദരങ്ങളെ സ്നേഹത്തോടെ പരിപാലിക്കുകയും വേണം. അപകടസമയത്ത് പരിഭ്രമിക്കാതെ ബുദ്ധിപൂർവ്വം പ്രവർത്തിക്കണം.

झटपट	जल्दी	വേഗത്തിൽ
नटखट	शरारती	വികൃതിയായ
पोखर	छोटा तालाब	ചെറിയ കുളം
बरगद	वटवृक्ष	പേരാൽ
खेत	कृषि भूमि	കൃഷിസ്ഥലം
बाग	बगीचा	തോട്ടം
नाला	जलधारा	തോട്
नदी	सरिता	പുഴ
हिदायत	निर्देश	നിർദ്ദേശം
झुंझलाना	चिढ़ना	അസ്വസ്ഥനാകുക
निहारना	ध्यान से देखना	നോക്കിനിൽക്കുക
छलाँग	कूदना	ചാട്ടം
मुंडेर	पुल का किनारा	കൈവരി
बस्ता	थैला	സഞ്ചി
कागज़ की नाव	कागज़ की किश्ती	കടലാസ് തോണി
ताली बजाना	करतल ध्वनि करना	കൈകൊട്ടുക
तैरना	पानी में तैरना	നീന്തുക
झापड़	थप्पड़	അടി
शिकायत	उलाहना	പരാതി
वाकई	सचमुच	ശരിക്കും
चिंतित	परेशान	ഉത്കണ്ഠയുള്ള
कूदना	छलाँग लगाना	ചാടുക
पुकारना	बुलाना	വിളിക്കുക
फिसलना	रपट जाना	വഴുതുക
मुसकराना	मंद हँसना	പുഞ്ചിരിക്കുക
चिल्लाना	शोर मचाना	നിലവിളിക്കുക
इंतज़ार	प्रतीक्षा	കാത്തിരിപ്പ്
उपाय	तरीका	മാർഗ്ഗം
साफ़	स्वच्छ	തെളിഞ്ഞ

1. **प्रश्न: 'झटपट और नटखट' कहानी के लेखक कौन हैं?** 'ജട്ടട്ട് ഒൗർ നട്ഖട്ട്' എന്ന കഥയുടെ രചയിതാവ് ആര്?

Answer: रमेश उपाध्याय। രമേഷ് ഉപാധ്യായ.

2. **प्रश्न: झटपट कौन-सी कक्षा में पढ़ता था?** ജട്ടട്ട് എത്രാം ക്ലാസ്സിലാണ് പഠിച്ചിരുന്നത്?

Answer: पाँचवीं कक्षा में। അഞ്ചാം ക്ലാസ്സിൽ.

3. **प्रश्न: नटखट झटपट से कितने साल छोटा था?** നട്ഖട്ട് ജട്ടട്ടിനേക്കാൾ എത്ര വയസ്സ് ഇളയതായിരുന്നു

Answer: दो साल। രണ്ട് വയസ്സ്.

4. **प्रश्न: झटपट और नटखट स्कूल जाते समय रास्ते में क्या-क्या देखते थे**? ജട്ടട്ടും നട്ഖട്ടും സ്കൂളിൽ പോകുന്ന വഴിയിൽ എന്തൊക്കെയാണ് കണ്ടിരുന്നത്?

Answer: स्कूल जाते समय रास्ते में वे पोखर, बरगद का पेड़, बाग, खेत, नाला और नदी देखते थे। സ്കൂളിൽ പോകുന്ന വഴിയിൽ അവർ കുളം, ആൽമരം, തോട്ടങ്ങൾ, വയലുകൾ, തോട്, പുഴ എന്നിവ കാണാറുണ്ടായിരുന്നു.

5. **प्रश्न: रास्ते में नटखट को क्या देखकर रुकना अच्छा लगता था?** വഴിയിൽ എന്ത് കണ്ട് നിൽക്കുന്നതാണ് നട്ഖട്ടിന് ഇഷ്ടമായിരുന്നത്?

Answer: पोखर में मछलियाँ। കുളത്തിലെ മീനുകളെ.

6. **प्रश्न: नटखट नदी में क्या चला रहा था?** നട്ഖട്ടും പുഴയിൽ എന്താണ് ഒഴുക്കിക്കൊണ്ടിരുന്നത്?

Answer: कागज़ की नाव। കടലാസ് തോണി.

7. **प्रश्न: कपड़ों को जल्दी सुखाने के लिए नटखट ने क्या उपाय बताया?** വസ്ത്രങ്ങൾ വേഗത്തിൽ ഉണക്കാൻ നട്ഖട്ട് പറഞ്ഞ വഴി എന്തായിരുന്നു?

Answer: दौड़ लगाना। ഓടുക.

8. **प्रश्न: झटपट ने नटखट को क्या सिखाने का वादा किया?** ജട്ടട്ട് നട്ഖട്ടിനെ എന്ത് പഠിപ്പിക്കാമെന്നാണ് ഏറ്റത്?

Answer: तैरना। നീന്താൻ.

9. **प्रश्न: नटखट ने झटपट को क्या सिखाने का वादा किया?** നട്ഖട്ട് ജട്ടട്ടിനെ എന്ത് പഠിപ്പിക്കാമെന്നാണ് ഏറ്റത്?

Answer: नाव बनाना। തോണി ഉണ്ടാക്കാൻ.

10. प्रश्न: रास्ते में कौन-सा पेड़ था जिसकी जड़ों से नटखट झूलता था? വഴിയിൽ ഉണ്ടായിരുന്ന ഏത് മരത്തിന്റെ വേരുകളിലാണ് നട്ഖട്ട് തൂങ്ങിയാടിയിരുന്നത്?

Answer: बरगद का पेड़। ആൽമരം.

11. **प्रश्न: माँ ने किसे छोटे भाई का ध्यान रखने को कहा था?** അനിയനെ ശ്രദ്ധിക്കാൻ അമ്മ ആരോടാണ് പറഞ്ഞിരുന്നത്?

Answer: झटपट को। ജട്ടട്ടിനോട്.

12. **प्रश्न: नदी में गिरने के बाद नटखट को बचाने वाले दिन की झटपट की डायरी तैयार करें।**

15 मार्च 2026,

शुक्रवार

आज का दिन मैं कभी नहीं भूल सकता। आज एक बहुत बड़ी दुर्घटना हो गई। स्कूल से लौटते समय नटखट नदी में गिर गया। शुक्र है कि मुझे तैरना आता था और मैंने तुरंत नदी में कूदकर उसे बचा लिया। वह बहुत डर गया था। मुझे पहले तो उस पर बहुत गुस्सा आया, पर उसकी मासूमियत देखकर मुझे उस पर प्यार आ गया। माँ ने मुझ पर जो भरोसा किया था। मैंने उसे निभाया । मैंने नटखट को तैरना सिखाने का वादा किया है। अब से मैं उसका और भी ज़्यादा ध्यान रखूँगा। भगवान का लाख-लाख शुक्र है!

13. प्रश्न: नदी से बचने के बाद झटपट और नटखट के बीच का संवाद तैयार करें।

झटपट: नटखट, क्या तुम ठीक हो? तुम बहुत डर गए थे न
नटखट: (काँपते हुए) हाँ भैया, आपने मुझे बचा लिया
झटपट: मैंने कितनी बार कहा है कि नदी के पास मत जाओ!
नटखट: मुझे माफ़ कर दो भैया। मैं तो बस कागज़ की नाव चला रहा था, तभी पैर फिसल गया।
झटपट: ठीक है, अब रोना बंद करो। पर वादा करो कि आगे से ऐसी ज़िद नहीं करोगे।
नटखट: मैं वादा करता हूँ , अब से मैं हमेशा आपकी बात मानूँगा।
झटपट: अच्छा, अब चलो, दौड़कर घर चलते हैं ताकि कपड़े सूख जाएँ और माँ को पता न चले।

14. प्रश्न: 'झटपट और नटखट' कहानी के आधार पर नटखट की चारित्रिक विशेषताओं (स्वभाव) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

नटखट का चरित्र चित्रण

रमेश उपाध्याय द्वारा लिखित कहानी 'झटपट और नटखट' का मुख्य पात्र है नटखट । वह एक बहुत ही चंचल लड़का है। है। वह तीसरी कक्षा में पढ़ता है। वह अपने नाम की तरह ही बहुत शरारती है। उसे रास्ते में रुककर मछलियाँ देखना और बरगद के पेड़ पर झूलना बहुत अच्छा लगता है। वह कभी-कभी अपने बड़े भाई झटपट की बात नहीं मानता। इसी कारण वह नदी में गिरकर मुसीबत में पड़ जाता है। जब उसे अपनी गलती का अहसास होता है, तो वह तुरंत माफ़ी माँग लेता है। वह अपने बड़े भाई से बहुत प्यार करता है।

15. प्रश्न: 'झटपट और नटखट' कहानी के आधार पर झटपट का चरित्र चित्रण कीजिए?

झटपट का चरित्र चित्रण

रमेश उपाध्याय द्वारा लिखित कहानी 'झटपट और नटखट' का मुख्य पात्र झटपट एक बहुत ही समझदार लड़का है। वह पाँचवीं कक्षा में पढ़ता है। झटपट अपने छोटे भाई नटखट का बहुत ध्यान रखता है। वह समय का पालन करता है और हमेशा जल्दी स्कूल पहुँचने की कोशिश करता है। झटपट बहुत साहसी है। उसे तैरना आता है। जब नटखट नदी में गिर गया, तो झटपट ने तुरंत पानी में कूदकर उसकी जान बचाई। वह अपने भाई को बहुत प्यार करता है। वह नटखट को अच्छी बातें सिखाता है और उसे तैरना सिखाने का वादा भी करता है। झटपट एक आदर्श बड़ा भाई है।

16. प्रश्न: 'झटपट और नटखट' कहानी के आधार पर झटपट की बहादुरी के लिए स्कूल में एक 'बधाई समारोह' आयोजित किया जा रहा है। इसके लिए एक आकर्षक पोस्टर तैयार कीजिए।

सरकारी हाई स्कूल, केरल

बधाई समारोह

साहसी बालक झटपट का सम्मान

हमारे स्कूल के छात्र झटपट ने नदी में डूबते हुए अपने भाई की जान बचाई है
इस बहादुरी के लिए हम उसे सम्मानित कर रहे हैं।

दिनांक: 30 मार्च 2026
समय: सुबह 10:00 बजे
स्थान: स्कूल सभा भवन
मुख्य अतिथि: स्कूल प्रधानाध्यापक

सबका स्वागत है!

आयोजक: खेल एवं सेवा समिति

17. प्रश्न : 'झटपट और नटखट' कहानी के उस दृश्य की पटकथा तैयार कीजिए, जिसमें नटखट नदी में गिर जाता है और झटपट उसे बचाता है।

दृश्य : एक

स्थान : स्कूल से घर जाने वाला रास्ता

समय : शाम चार बजे

पात्र और वेश-भूषा: झटपट: 10 साल का लड़का। स्कूल की वर्दी पहनी है और कंधों पर स्कूल का बस्ता लटकाया है।

नटखट: 7 साल का लड़का। स्कूल की वर्दी पहनी है और कंधों पर स्कूल का बस्ता लटकाया है।

दृश्य का विवरण : दोनों भाई पानी में भीग गए हैं। नटखट ज़मीन पर बैठा है और रो रहा है। वह बहुत डरा हुआ है ।

संवाद :

झटपट: नटखट, क्या तुम ठीक हो? तुम बहुत डर गए थे न

नटखट: (काँपते हुए) हाँ भैया, आपने मुझे बचा लिया

झटपट: मैंने कितनी बार कहा है कि नदी के पास मत जाओ!

नटखट: मुझे माफ़ कर दो भैया। मैं तो बस कागज़ की नाव चला रहा था, तभी पैर फिसल गया।

झटपट: ठीक है, अब रोना बंद करो। पर वादा करो कि आगे से ऐसी ज़िद नहीं करोगे।

नटखट: मैं वादा करता हूँ , अब से मैं हमेशा आपकी बात मानूँगा।

झटपट: अच्छा, अब चलो, दौड़कर घर चलते हैं ताकि कपड़े सूख जाएँ और माँ को पता न चले।

18. प्रश्न : झटपट अपने मित्र को एक पत्र लिखिए जिसमें आपने अपने भाई नटखट की जान कैसे बचाई, इसका वर्णन कीजिए।

स्थान

तारीख

प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ ठीक हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी ठीक होगे। आज मैं तुम्हें एक बहुत ज़रूरी बात बताने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ।

आज स्कूल से घर लौटते समय एक बड़ी दुर्घटना हो गई। नदी में कागज़ की नाव चलाते समय पैर फिसलकर मेरा छोटा भाई नटखट नदी में गिर गया। वह बहुत डर गया था। मुझे तैरना आता था, इसलिए मैंने तुरंत नदी में कूदकर उसे बचा लिया। अब वह बिल्कुल ठीक है। माँ और पिताजी को मुझ पर बहुत गर्व है। स्कूल में भी मुझे इसके लिए सम्मान दिया जाएगा।

घरवालों को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र,

झटपट

सेवा में,

नाम

OXFORD

पता

19. प्रश्न : झटपट ने नटखट की जान बचाई थी। कहानी के आधार पर नटखट की डायरी तैयार कीजिए।

30 मार्च 2026

सोमवार

आज का दिन मेरे लिए एक नया जीवन मिलने जैसा है। स्कूल से लौटते समय मैं नदी के किनारे कागज़ की नाव चला रहा था। अचानक पैर फिसल गया और मैं पानी में गिर गया। तभी मेरे बड़े भाई झटपट ने नदी में कूदकर मुझे बचा लिया। आज मुझे अपनी गलती का अहसास हुआ कि मैंने भैया की बात नहीं मानी थी। मैं बहुत खुश हूँ कि मेरे पास झटपट जैसा बहादुर भाई है। अब से मैं हमेशा बड़ों की बात मानूँगा।

OXFORD